

## प्रेस विज्ञप्ति

### ‘राजयोग से स्वस्थ और सुखी समाज’ अभियान का राष्ट्रीय शुभारम्भ हुआ

**नई दिल्ली, 21 जून:** अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत में **संयुक्त राष्ट्र संघ सूचना केन्द्र की निदेशिका सुश्री किरण मेहरा** ने आज शाम को सिरी फोर्ट सभागार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चलाई जा रही “सहज राजयोग से स्वस्थ और सुखी समाज” अभियान का राष्ट्रीय शुभारम्भ किया।

अभियान का शुभारम्भ करते हुए उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व में परिचालित ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व में सबसे बड़ी है और संयुक्त राष्ट्र संघ में उच्च कोटी की गैर सरकारी संस्था है जोकि आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग ध्यान की सरल और सहज विधि द्वारा विश्व शान्ति, एकता एवं विश्व बंधुत्व को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पारित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का लक्ष्य व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सर्वांगीण स्वास्थ्य, शान्ति, सदभावना एवं भाईचारे के माहौल का निर्माण करना है। इस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा पिछले सात दशकों में समग्र विश्व में जो राजयोग ध्यान एवं मानवीय मूल्यों का प्रचार-प्रसार हुआ है वह सराहनीय है।

इस अवसर पर **ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी** ने कहा कि व्यक्ति को अपनी अर्न्तआत्मा, परिवार, समाज, प्रकृति, पर्यावरण एवं परमात्मा से जोड़ने का कार्य राजयोग कर रहा है। इससे मानव जीवन और समाज में स्थायी सुख शान्ति एवं समृद्धि आयेगी।

**दिल्ली एवं चण्डीगढ़ के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राकेश मेहता** ने कहा कि आज की अस्वस्थ एवं दुखी वातावरण को स्वस्थ एवं सुखी बनाने के लिए मनुष्य को भोगवादी से योगवादी तथा भौतिकावादी से अध्यात्मवादी बनना होगा। राजयोग के अभ्यास से ही व्यक्ति अपनी मन, बुद्धि, संस्कार एवं कमेन्द्रियों की अधीनता से मुक्त होकर सच्चा स्वास्थ्य एवं सुख शान्ति का अधिकारी बन सकता है।

अपने आर्शीवचन में संस्था की **सह मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी** ने कहा कि सच्ची मन की शान्ति, शक्ति एवं सेहत के लिए और तनाव से दूर रहने के लिए देह अभिमान से ऊपर उठना होगा और मन, बुद्धि को आत्म चिन्तन एवं परमात्म स्मृति में स्थित करना होगा।

**संस्था के मुख्य प्रवक्ता राजयोगी बी0के0ब्रजमोहन जी** ने अभियान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि एक स्वस्थ एवं सुखी समाज के निर्माण के लिए समाज की ईकाई प्रत्येक व्यक्ति का जीवन स्वस्थ एवं सुखी बनाना आवश्यक है। आत्म परमात्म ज्ञान एवं राजयोग ध्यान द्वारा ही नैतिक मूल्य, स्वास्थ्य, सरल एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाया होगा।

अन्त में **कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका राजयोगिनी ब्र0कु0आशा जी** ने सामूहिक राजयोग अभ्यास कराया तथा आध्यात्मिकता के द्वारा एक सुन्दर और सफल जीवन बनाने की प्रेरणा दी।

**ब्रह्माकुमार सुशान्त, ब्रह्माकुमारीज के मीडिया संयोजक**  
मोबाईल-09350922333